

---

# Shri Stambhavirbhava Narasimha Stotram

श्रीस्तम्भाविर्भावनरसिंहस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Stambhavirbhava Narasimha Stotram

File name : stambhAvirbhAvanarasiMhastotram.itx

Category : vishhnu

Location : doc\_vishhnu

Acknowledge-Permission: shrIchakravartula sudhanvAchArya

Latest update : April 22, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 22, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Stambhavirbhava Narasimha Stotram

---

## श्रीस्तम्भाविर्भावनरसिंहस्तोत्रम्

---



सहस्रभास्करस्फुरत्प्रभाक्षुर्निरीक्षाणं  
प्रभञ्जकुरङ्गद्विरण्यकश्यपोरुरस्थलम् ।  
अजस्रजाण्डकपर्परप्रभञ्जरोद्गर्जन-  
मुदग्रनिग्रडाग्रडोत्रविग्रडाकृतिं भजे ॥ १ ॥

स्वयम्भुशम्भुजम्भजित्प्रभुभ्यदिव्यसम्भ्रमं  
द्विजृम्भमध्यदुत्कटोग्रद्वैत्यकुम्भकुम्भिनिन्- ।  
-अनर्गलाट्टुडासनिस्पुडाष्टदिग्गजार्भटिन्-  
युगान्तिमान्तमत्तुतान्तपिक्कृतान्तकं भजे ॥ २ ॥

जगज्जवलदुद्धृत्त्रासत्प्रदस्फुरन्मुभाभिर्दि  
मददुभयदुभयदुद्धृत्त्रासल्लसत्कृताकृतिम् ।  
डिरण्यकश्यपोसहस्रसंहरत्समर्थकृ-  
-न्मुहुर्मुहुर्मुहुर्गुलध्वननृसिंह रक्ष माम् ॥ ३ ॥

दरिद्रदेवि दुष्टदृष्टि दुःख दुर्भरं हरं  
नवग्रहोत्रवक्त्रदोषाद्यादिव्याधि निग्रहम् ।  
परीषधादिमन्त्रयन्त्रतन्त्रकृत्रिमंजनं  
अकालमृत्युमृत्युमृत्युमुग्रमूर्तिं भजे ॥ ४ ॥

जयत्यवङ्गविङ्गमङ्गमङ्गमङ्गियाहरं  
स्फुरत्सहस्रविस्फुलिङ्गभास्करप्रभाञ्जसत् ।  
धगङ्गुगङ्गुगल्लसन्महद्व्रमत्सुदर्शनो-  
न्मदेभमित्स्वरुपभृद्भवत्कृपारसामृतम् ॥ ५ ॥

विपक्षपक्षराक्षसाक्षमाक्षरुक्षवीक्षाणं  
सदाऽक्षयत्कृपाकटाक्षलक्ष्मलक्ष्मिवक्षसम् ।  
विद्यक्षाणं विलक्षाणं प्रतीक्षाणं परीक्षाणं  
परीक्ष दीक्ष रक्ष शिक्ष साक्षाणं क्षमं भजे ॥ ६ ॥

अपूर्व शौर्यं धैर्यं वीर्यं दुर्निवार्यं दुर्गम-

मकार्यं कुह्ननार्यं गर्वपर्वतप्रछार्यसत् ।

प्रथार्यसर्वनिर्वडस्तुपर्यवर्षपर्विणं

सदार्यकार्यभार्यभृद्दुदारवर्षणं भजे ॥ ७ ॥

प्रपत्तिनार्द्रनाभनाभिवन्धनप्रदक्षिणं

नताननाङ्गवाङ्मनःस्मरज्जपस्तुवद्गदा ।

अश्रुपूणार्द्रपूणभक्तिपारवश्यता

सङ्खियाथरद्धवत्कृपा नृसिंहं रक्ष माम् ॥ ८ ॥

करालवक्त्रं कर्कशोत्रं वज्रदंष्ट्रमुज्ज्वलं

कुठारभङ्गकुन्तरोमराङ्कुशोत्रभायुधम् ।

मडद्भ्रयूधभग्नसञ्चलज्ञाता सटालकं

जगत्प्रमूर्छिताट्टडासञ्चवर्तिणं भजे ॥ ९ ॥

नवत्राडाऽपमृत्युगाण्ड वास्तुरोग वृश्चिका-

-ऽग्नि वाऽवाग्नि काननाग्नि शतृमाण्डल ।

प्रवाड क्षुत्पिपास दुःख तस्कर प्रयोग दु-

-ष्प्रमादसङ्घटात्सदा नृसिंहं रक्ष मां प्रभो ॥ १० ॥

कृलश्रुति समर्षणम् ।

धृष्टं नृसिंहं स्तम्भ सम्भ वावतारसंस्तवं

वराकलङ्क वंश्य वेङ्कटाभिधान वैष्णवो ।

समर्षितोऽस्मि सर्वदा नृसिंहं दास्यतेच्छया

रमाङ्कु यादशैलनारसिंहं तेऽङ्घ्रिसन्निधौ ॥ ११ ॥

उग्रं वीरं मडाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोभुजम् ।

नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्योर्मृत्युर्नमाम्यडम् ॥

धृति श्रीवेङ्कटरमणायार्यविरचितं

स्तम्भाविर्भावनरसिंहस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

The text is provided by shrIchakravartula sudhanvAchArya,

the grandson of the composer, Shri Venkataramana



*Shri Stambhavirbhava Narasimha Stotram*

pdf was typeset on April 22, 2021



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

